लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2781
15 दिसंबर, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग का योगदान

2781. श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरे:
श्री गौतम सिगामणि पोन:
श्री जी. सेल्वम:
श्री सी.एन.अन्नादुरई:
श्री धनुष एम.कुमार:
डॉ. डी.एन.वी.सेंथिलकुमार एस.:
डॉ. सुभाष रामराव भामरे:
डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हे:
श्री गजानन कीर्तिकर:
श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुले:
श्री कुलदीप राय शर्मा:
क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान वस्त्र उद्योग का सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में औद्योगिक उत्पादन और रोजगार में योगदान कितना है और वस्त्र उद्योग में रोजगार बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं;

(ख) बुनाई और प्रसंस्करण क्षेत्र के आधुनिकीकरण सहित वस्त्र उद्योग में निवेश/विस्तार को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या वस्त्र उद्योग समस्याओं का सामना कर रहा है और विगत तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान इस क्षेत्र के विकास में गिरावट आई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और वैश्विक स्तर पर भारतीय वस्त्र उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं और सरकार को अब तक क्या सफलता प्राप्त हुई है; और

(ङ) वैश्विक वस्त्र उत्पादन के संदर्भ में भारतीय वस्त्र उद्योग का योगदान कितना है और भारतीय वस्त्र उद्योग के उत्पादन और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) और (ख): राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी से प्राप्त अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2017-18, 2018-19 और 2019-20 में औद्योगिक आउटपुट की प्रतिशतता के रूप में वस्त्र उद्योग का योगदान 7% रहा है।

वस्त्र क्षेत्र में प्रत्यक्ष रोजगार अनुमानत: 45 मिलियन है। सरकार बुनाई और प्रसंस्करण क्षेत्र के आधुनिकीकरण सहित वस्त्र उद्योग के निवेश/विस्तार को बढ़ाने के लिए विभिन्न नीतिगत पहलों और योजनाओं जैसे संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (ए-टीयूएफएस), राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), व्यापक हथकरघा बुनकर कल्याण योजना, एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना (आईपीडीएस), एकीकृत वस्त्र पार्क योजना (एसआईटीपी), समर्थ- वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना आदि लागू कर रही है।

(ग) से (ङ): वैश्विक वस्त्र उत्पादन के संदर्भ में भारतीय वस्त्र उद्योग के योगदान के संबंध में जानकारी उपलब्ध नहीं है। हालांकि, विश्व स्तर पर भारतीय वस्त्र उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए, सरकार ने 3 साल की अवधि में वस्त्र हेतु उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और 7 मेगा वस्त्र पार्क स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और अपैरल पार्क (पीएम-मित्र) योजना को मंजूरी दे दी है। वस्त्रों के लिए पीएलआई योजना देश में उच्च मूल्य वाले एमएमएफ फैब्रिक, गारमेंट्स और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादन को बढ़ावा देगी। पीएम मित्र योजना का उद्देश्य वस्त्र उद्योग की संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला के लिए एकीकृत बड़े पैमाने पर और आधुनिक औद्योगिक अवसंरचना सुविधा विकसित करना है और यह पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं को प्राप्त करने में मदद करके वस्त्र उद्योग की प्रतिस्पर्धा को बढ़ाएगी और लाखों लोगों के लिए रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगी।

***